arrested and any action has been taken against them?

THE MINISTER OF RAILWAYS (DR. RAM SUBHAG SINGH) : (a) Yes, one person accompanied by three others, fired at the Travelling Ticket Inspector.

(b) One of the accused persons has so far been arrested in this case which is under Police investigation.

Internal Trade on Barter System

1395. SHRI SHIVA CHANDRA JHA : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government have made any estimate of the percentage of India's internal trade still conducted on the barter system;

(b) if so, what percentage of the annual trade and in what areas and in what absolute terms per year; and

(c) if no estimate has been made, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) to (c). Government do not have information regarding quantum of internal trade conducted on barter system. There is no machinery for collection of such statistics.

Lighting Arrangements in trains Running Between Darbhanga and Nirmal (N. E. Railway)

1396. SHRI SHIVA CHANDRA JHA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the running trains between Darbhanga and Nirmali (North Eastern Railway) generally do not have light at night, specially in between stations; and

(b) if so, the reasons for the light going off in between stations and the steps taken by Government for regular lighting arrangements in the trains in that line and with what success ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (DR. RAM SUBHAG SINGH) : (a) and (b). No.

Presumably the Honourable Member is perhaps referring to non provision of full complement of lamps in all the compartments, which was not possible due to shortage of bulbs. The supply has now been received and the services are working satisfactorily, with full complement of bulbs.

Direct Railway Line Between Sakri and Hasanpur (N. E. Railway)

1397. SHRI SHIVA CHANDRA JHA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the preliminary survey works for direct railway line between Sakri and Hasanpur (North Eastern Railway) were completed during the Second Five Year Plan period;

(b) if so, the details thereof;

(c) when Government are going to take up that work; and

(d) if Government do not intend to take up the work on this project, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (DR. RAM SUBHAG SINGH) : (a) No.

(b) Does not arise.

(c) and (d). Due to paucity of funds it is not possible to consider the construction of a new line in this area at present.

दिल्ली-हावड़ा डीलक्स रेलगाड़ी को बरास्ता वाराणसी चलाना

1398. श्री वंश नारायण सिंह :
श्री राम सिंह अयरवाल :
श्री भारत सिंह चौहान :
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार किसी ऐसी योजना पर विचार कर रही है जिसके अन्तर्गत इलाहाबाद और मुगल सराय के बीच मिर्ज़ापुर की बजाय बनारस के रास्ते होकर दिल्ली-हावड़ा डीलक्स रेलगाड़ी चलाई जाय;

(ख) यदि हां, तो वह योजना किस तिथि से लागू की जायेगी; और

(ग) यदि ऐसी योजना सरकार के विचाराधीन नहीं है तो क्या सरकार ऐसी योजना पर विचार करेगी ?

रेलवे मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) और (ख). 1-10-1969 से लागू होने वाली समय सारणी में सप्ताह में दो बार चलने वाली 81 अप/83 डाउन हावड़ा-नई दिल्ली वातानुकूल ऐक्सप्रेस गाड़ियों को उनका मार्ग परिवर्तन करके वाराणसी के रास्ते चलाने का प्रस्ताव है।

(ग) सवाल नहीं उठता।

सुलतानपुर से झांसी तक सवारी गाड़ी का बिलम्ब से आना

1399. **श्री नाथूराम अहिरवार** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सुलतानपुर से चलने वाली सवारी गाड़ी प्रतिदिन झांसी देर से पहुंचती है;

(ख) यदि हां, तो 1 अप्रैल, 1969 से 30 जून 1969 तक की अवधि में यह रेलगाड़ी कितने दिन दूरी से आई और उपरोक्त अवधि में देरी से आने का सर्वाधिक और न्यूनतम समय कितना कितना था;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस रेलगाड़ी के देरी से आने के कारण बम्बई, मानिकपुर, इलाहाबाद और दिल्ली जाने वाली रेलगाड़ियां झांसी से चली जाती हैं जिसके परिणामस्वरूप यात्रियों को झांसी स्टेशन पर पूरे दिन तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है; और

(घ) इस सम्बन्ध में सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

रेलवे मन्त्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जी हां।

(ख) अप्रैल से जून, 69 तक की अवधि में 108 अप सुलतानपुर-झांसी सवारी गाड़ी झांसी स्टेशन पर 88 बार देर से पहुंची। इस अवधि में देरी से पहुंचने का अधिकतम और न्यूनतम समय क्रमश: 9 घण्टे 40 मिनट और 30 मिनट था।

(ग) जी नहीं।

(घ) 108 अप सुलतानपुर-झांसी सवारी गाड़ी, जिसमें 107 डाउन झांसी-सुलतानपुर सवारी गाड़ी के रेक लगते हैं, के देर से चलने का मुख्य कारण यह है कि झांसी-कानपुर-लखनऊ खंड में इन गाड़ियों में खतरे की जंजीर खींचने की घटनाएं बहुत अधिक होती हैं। अप्रैल से जून, 1969 तक की तीन महीने की अवधि में सिर्फ झांसी और कानपुर खंड के बीच इन गाड़ियों में खतरे की जंजीर खींचने के 86 मामले हुए। खतरे की जंजीर खींचने के कारण इन गाड़ियों के जो अनिर्धारित ठहराव हो जाते हैं, उनके परिणामस्वरूप उन्हें कानपुर-लखनऊ के व्यस्त खण्ड में मार्ग नहीं मिल पाता। इन गाड़ियों के चालन में सुधार लाने के लिए जो उपाय किये जा रहे हैं, वे हैं:—खतरे की जंजीर खींचने की घटनाओं की रोकथाम के लिए कड़ी जांच करना और सुलतानपुर स्टेशन पर समयान्तर में वृद्धि करना ताकि 108 अप सुलतानपुर-झांसी सवारी गाड़ी का ठीक समय पर चलना सुनिश्चित किया जा सके।

Subordinate Rest House at New Delhi Station

1400. SHRI NITIRAJ SINGH CHAUDHARY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state: